सेन्ट्रल जोन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से सम्बद्ध)

प्रभांजलि, 33, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती

महासचिव : का. बी. सान्याल

परिपत्र क्र. : 02/2014

दिनांक : 02.01.2014

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों के नाम

प्रिय साथियों,

विषय : ऐतिहासिक सफलता के साथ CZIEA का अष्टम महाधिवेशन सम्पन्न।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार दिनांक 15 से 18 दिसम्बर, 2013 के मध्य CZIEA का अष्टम महाधिवेशन ग्वालियर में सम्पन्न हुआ। ग्वालियर डिवीजन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन ने CZIEA के अष्टम अधिवेशन को गरिमामय व भव्य तरीके से आयोजित करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी। अधिवेशन का. समर मुखर्जी नगर, का. एम.के. पंधे मंच, आनंद पैलेस, जनकगंज में आयोजित किया गया था।

भव्य रैली :

सम्मेलन के प्रथम दिन 15 दिसम्बर 2013 को दोपहर 1 बजे जंगी रैली महाराज बाड़े से निकली। रैली के आरंभ में GDIEA की महिला साथी CZIEA के आठ झण्डे लेकर चल रहीं थीं। रैली में सैकड़ों की संख्या में बीमा कर्मचारी व बिरादराना संगठनों के साथी पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए। रैली का नेतृत्व अधिवेशन के उद्घाटनकर्ता AIIEA के महासचिव का. के. वेणु गोपाल, CZIEA के अध्यक्ष का. एस.आर. उर्ध्वरेषे, सीटू के राज्य अध्यक्ष का. रामविलास गोस्वामी, स्वागत समिति के अध्यक्ष का. डी.एस. रघुवंशी कर रहे थे। रैली के पूरे रास्ते को तोरण, पताकाओं व भव्य गेट से सजाया गया था तथा मुख्य चौक चौराहों पर स्थानीय मजदूर संगठनों के साथी मौजूद थे, जिन्होंने रैली में शामिल प्रतिनिधि, प्रेक्षकों का गगनभेदी नारों व पुष्प वर्षा के मध्य स्वागत किया। पूरे रैली के दौरान निजीकरण, वैश्वीकरण, उदारीकरण व साम्प्रदायिकता सहित देश विरोधी, जनविरोधी नीतियों के खिलाफ नारे गूंज रहे थे। रैली के आगे ग्वालियर की लोक कला की झलक इटावा घोड़ी के कलाकार चल रहे थे जो आकर्षण का केन्द्र था। रैली में GDIEA के साथी निजीकरण विरोधी मांगों का बैनर धारण किये हुये चल रहे थे, जो लोगों को प्रभावित कर रहा था। रैली में बड़ी संख्या में लाल टोपियां, प्लेकार्ड उसे भव्य रूप प्रदान कर रही थी। रैली के उद्घाटन स्थल जैन छात्रावास, अस्पताल रोड पहुंचते ही पूरे स्थल गगनभेदी नारों से गूंज उठा।

ध्वजारोहण :

इस अवसर पर CZIEA के अध्यक्ष का. एस.आर. उर्ध्वरेषे ने जोरदार नारेबाजी के मध्य CZIEA के अष्टम अधिवेशन का ध्वजारोहण किया तत्पश्चात अमर शहीद वेदी पर सभी साथियों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि स्वरूप फूल चढ़ाये।

उद्घाटन सत्र :

सर्वप्रथम GDIEA की महिला साथियों ने स्वागत व जनगीत का गायन किया। इसके बाद CZIEA के महासचिव ने अधिवेशन के मध्य दिवंगत साथियों व इंसानों के प्रति शोक प्रस्ताव रखा व दो मिनट की मौन श्रद्धांजलि दी गई। अतिथियों के स्वागत के उपरांत अष्टम अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष का. डी.एस. रघुवंशी ने स्वागत व CZIEA के अध्यक्ष का. एस.आर. उर्ध्वरेषे ने अध्यक्षीय भाषण का वाचन किया।

इसके बाद अष्टम अधिवेशन को उद्घाटित करते हुए AIIEA के महासचिव का. के. वेणु गोपाल ने कहा कि CZIEA का यह सम्मेलन एक ऐसे अवसर पर हो रहा है जब सार्वजनिक क्षेत्र के जीवन बीमा व आम बीमा निगमों का प्रदर्शन केन्द्र सरकार की उदारीकरण, निजीकरण व वैश्वीकरण की नीतियों की आड़ में राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग को कमजोर करने की साजिशों के बावजूद बेहतरीन रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार सभी क्षेत्रों में अंधाधुंध तरीके से निजीकरण की प्रक्रिया को तीव्र करते हुए देश को आर्थिक दुर्व्यवस्था की ओर धकेलने के लिये उतारू है। AIIEA ने इन नीतियों के लागू होने के बाद अविरल रूप से समझौताहीन संघर्ष संचालित किया है, जिसका नतीजा यह है कि आज LIC की 80 प्रतिशत से ज्यादा बाजार में हिस्सेदारी है जबकि सार्वजनिक क्षेत्र की आम बीमा कंपनियां भी आम बीमा क्षेत्र में मार्केट लीडर है। इन्हीं सब परिस्थितियों में साम्राज्यवादी नीतियों व बहुराष्ट्रीय कम्पनी के दबाव में सरकारें लगातार FDI को बढ़ाने के लिये प्रयासरत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें इन नीतियों के खिलाफ जनता, मेहनतकश वर्ग व प्रगतिशील जनवादी ताकतों के साथ मिलकर व्यापक मोर्चे के निर्माण को लगातार संचालित

करते रहना होगा, तभी देश की आर्थिक व राजनीतिक स्वतंत्रता को बचाये रखा जा सकता है। का. वेणु गोपाल ने कहा कि आज पूरे विश्व में पूंजीवादी देश गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं तथा यह संकट बहुत लम्बे संकट के दौर में तब्दील हो गया है। इसीलिए पूंजीवादी देश इन संकटों का ठीकरा विकासशील व अविकसित देशों के बाजार पर कब्जा कर फोड़ना चाहते हैं। साम्राज्यवादी ताकतें भारत जैसे देश के शासक वर्ग के साथ मिलकर नीतियों में साम्राज्यवादी परक परिवर्तन के लिये बेसब्र हैं। शासक वर्ग, चाहे फिर व भाजपा हो या कांग्रेस, दोनों, इन विनाशकारी आर्थिक नीतियों को लागू करने के लिये अपनी प्रतिबद्धता बारम्बार प्रदर्शित करते आ रहे हैं। शासक वर्ग की इस नीति से पूरे देश के पैमाने पर बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार, रोजगार हानि, श्रम कानूनों में पूंजीपति परक बदलाव की दिशा में बढ़ने की मंशा पूरी तीव्रता के साथ प्रदर्शित हो रही है। उन्होंने कहा कि यूपीए-दो सरकार पर से जनता का विश्वास तेजी से खत्म हुआ है, वहीं दूसरी ओर भाजपा नीतियों में बुनियादी बदलाव करने के बजाय चेहरा बदलकर देश की सत्ता को हथियाने का कुचक्र रच रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह चेहरा फासीवादी चेहरा है जो देश को जाति, धर्म के खांचों में बांटकर नई आर्थिक नीतियों के लिये रास्ता आसान करने की कोशिश कर रही है। हमें मेहनतकश वर्ग के सजग सिपाही के रूप में राजनीति के इस स्वरूप को पहचानकर एक ऐसे विकल्प की ओर से बढ़ना होगा, जहां देश की आर्थिक व राजनीतिक संप्रभुता की रक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि AIIEA ने अपनी सांगठनिक ताकत से बहुत सी ऐसी उपलब्धियां हासिल की जो आज की केन्द्र सरकार की नीतियों के विरूद्ध है। यह अपने आपमें AIIEA की ऐसी उपलब्धि है जिसकी तुलना नहीं की जा सकती। इसी प्रकार पेंशन का एक और विकल्प तथा बेहतर वेतन पुनर्निर्धारण को हासिल करने के लिये लड़ना होगा तथा AIIEA सफल होगा, यह एक ऐसा सत्य है, जो भविष्य में और वर्तमान में भी हासिल उपलब्धियों से जगजाहिर है। इस अवसर पर उद्घाटन सत्र को सीटू के राज्य अध्यक्ष का. रामविलास गोस्वामी ने भी संबोधित करते हुए सम्मेलन की सफलता के लिये शुभकामनाएं दी। इसके अलावा ग्वालियर के समस्त ट्रेड यूनियनों (गुक्टू) की ओर से का. अतिराम ने भी सम्मेलन को शुभकामनाएं दी।

उद्घाटन सत्र के आखिरी चरण में धन्यवाद ज्ञापन रखते हुए CZIEA के महासचिव ने कहा कि यह अधिवेशन ऐसे वक्त में हो रहा है जब पूरी दुनिया में आर्थिक संकट लगातार जारी है तथा निकट भविष्य में इसके खत्म होने की संभावना भी नहीं है। भारत में शासक वर्ग उन्हीं नीतियों पर चल रहा है जिन नीतियों की वजह से पूरे विश्व के पैमाने पर आर्थिक सुनामी आई है। भारत की जनता इन नीतियों के विरोध में लगातार संघर्ष संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन व आम बीमा कंपनियां बेहतर प्रदर्शन करते हुए बाजार पर अपनी पकड़ को बेहतर से बेहतर कर रही है उसके बावजूद हमें सावधान रहना होगा ताकि शासक वर्ग की मंशाओं पर पानी फेरा जा सके। उन्होंने कहा कि निश्चय ही हमारे अतिथियों की अपेक्षा के अनुरूप हमारा यह सम्मेलन अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय व उद्योग में चल रहे घटनाक्रमों का सूक्ष्म विश्लेषण करते हुए CZIEA को मध्य क्षेत्र में और मजबूत करने के लिये ठोस निर्णय लेगा। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता CZIEA के अध्यक्ष का. एस.आर. उध्वरेषे ने किया।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,

आपका साथी

(बी. सान्याल)

महासचिव

नोट : अष्टम अधिवेशन में लिये गये निर्णयों की विस्तृत जानकारी अगले परिपत्र में प्रकाशित की जा रही है।

- महासचिव